सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 132 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 17 जून, 2022

मूल्य ₹ 3/-

सांप के फन, मक्खी के मुख और बिच्छू के डंक में जहर होता है, पर दुष्ट व्यक्ति तो इससे भरा होता है।

-चाणक्य

राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत... 8 | पर्यटन को रफ्तार देगा ईको टूरिज्म... 3 | यूपी में विकास ठप, हर ओर फैली... 7

कहीं रेलों में आग तो कहीं गोली

एक की मौत, दर्जनों घायल, 'अग्निपथ' ने देश भर में लगा दी आग

- आगजनी, पथराव, लाठीचार्ज, बिहार के कई स्थानों और बलिया में फूंकी ट्रेन
- मथुरा में हवाई फायरिंग, वाराणसी-जौनपुर समेत कई जिलों में तोड़फोड़
- हरियाणा में बवाल के बाद इंटरनेट सेवा बंद, दिल्ली में मेट्रो सेवा बाधित
- तेलंगाना में उग्र प्रदर्शन, विपक्ष ने साधा केंद्र सरकार पर निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अग्निपथ भर्ती योजना को लेकर बिहार-यूपी समेत देश के कई राज्यों में हिंसा भड़क गयी है। बिहार में कई स्थानों और यूपी के बलिया में प्रदर्शनकारियों ने ट्रेनों को आग के हवाले कर दिया। यात्री बसों और ट्रेनों पर पथराव किया गया। हरियाणा में बवाल के बाद इंटरनेट सेवा को बंद कर दिया गया है। दिल्ली मेट्रो सेवा भी बाधित रही। पुलिस ने उग्र भीड़ को काबू करने के लिए लाठीचार्ज किया। मथुरा में उपद्रवियों को खदेड़ने के लिए पुलिस को हवाई फायरिंग करनी पड़ी। देश में हुए हिंसक प्रदर्शनों में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि दर्जनों घायल हो गए।

अग्निपथ भर्ती योजना के विरोध ने हिंसक रूप ले लिया है। यूपी में आज युवाओं ने बलिया में ट्रेन में आग लगा दी। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर रोडवेज बस पर पथराव किया। नकाबपोशों ने बस में जमकर तोड़फोड़ की। इससे सवारियों में अफरा-तफरी मच गयी। मथुरा में एक्सप्रेसवे जाम कर दिया जिसके बाद पुलिस को लाठीचार्ज और हवाई फायरिंग करनी पड़ी। आगरा में पुलिस पर पथराव किया गया। मथुरा के एटीवी कट के पास पथराव में दो दर्जन कारों में तोड़फोड़ की गई है। तीन रोडवेज बसों को भी निशाना बनाया गया। मेरठ में प्रदर्शन किया गया और कमिश्नरी चौराहे पर प्रदर्शनकारियों ने जाम लगा दिया। फिरोजाबाद में बवाल किया गया। अलीगढ़ में दो रोडवेज की गाड़ियों में आग लगा दी गई। पथराव में कई पुलिसकर्मी चोटिल हुए हैं। वाराणसी में युवकों ने सवारी वाहनों पर पथराव किया। गोरखपुर में तोड़फोड़ की गयी। हरियाणा के नारनौल में सड़कों पर हो रहे प्रदर्शन को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। उत्तराखंड के हल्द्वानी में प्रदर्शन कर रहे युवकों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया। दिल्ली में प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली गेट, जामा मस्जिद और आईटीओ मेट्रो स्टेशन के सभी गेट बंद कर दिए गए। बिहार के समस्तीपुर और लखीसराय में ट्रेनों में आग लगा दी, पथराव किया। राजस्थान, बंगाल और तेलंगाना में उग्र प्रदर्शन हुआ। हरियाणा सरकार ने बल्लभगढ़ में इंटरनेट सेवाओं को अगले 24 घंटे के लिए बंद कर दिया है। तेलंगाना में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि कई घायल हो गए।

35 ट्रेनें रद्द, रेलवे ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर

यूपी, बिहार समेत देश के कई हिस्सों में हिंसक प्रदर्शन के कारण रेलवे ने 35 ट्रेनों को रद्द कर दिया है जबकि 200 अन्य ट्रेनें अपने समय से कई घंटे की देरी से चल रही हैं। इसके अलावा तेरह को शॉर्ट टर्मिनेट कर दिया गया है। इस 35 ट्रेनों में छह मेल और 29 एक्सप्रेस ट्रेनें शामिल हैं। वहीं पूर्व मध्य रेलवे ने रेलवे स्टेशनों के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं।

आयु सीमा बढ़ी, 24 जून से शुरू होगी भर्ती प्रक्रिया

वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा, इस साल भर्ती के लिए आयु सीमा को बढ़ाकर 23 वर्ष कर दिया गया है। इससे युवाओं को लाभ होगा। उन्होंने कहा, भारतीय वायु सेना के लिए भर्ती प्रक्रिया 24 जून से शुरू होगी। वहीं सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडेय ने कहा है कि सरकार ने 2022 के लिए आयु सीमा को 21 से बढ़ाकर 23 साल कर दिया है। इससे उन युवाओं को लाभ होगा जो दो साल से सेना में भर्ती की तैयारी कर रहे थे। हम युवाओं से अपील करते हैं कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं।

शांति बनाए रखें युवा, जल्द होगी भर्ती: राजनाथ

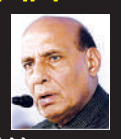

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि युवा शांति बनाए रखें और अपनी तैयारी शुरू करें। सेना में भर्ती की प्रक्रिया कुछ ही दिनों में प्रारंभ होने जा रही है। पिछले दो वर्षों से सेना में भर्ती की प्रक्रिया नहीं होने के कारण बहुत से युवाओं को सेना में भर्ती होने का अवसर नहीं मिल सका था इसलिए युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखकर सरकार ने अग्निवीरों की भर्ती की आयु सीमा को बढ़ा दिया है। इससे बहुत सारे युवाओं को अग्निवीर बनने की पात्रता प्राप्त हो जाएगी।

जनता क्या चाहती है, प्रधानमंत्री नहीं समझते: राहुल गांधी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी ने सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने ट्वीट किया, अग्निपथ: नौजवानों ने नकारा, कृषि कानून: किसानों ने नकारा, नोटबंदी: अर्थशास्त्रियों ने नकारा, जीएसटी: व्यापारियों ने नकारा। देश की जनता क्या चाहती है, ये बात प्रधानमंत्री नहीं समझते क्योंकि उन्हें अपने 'मित्रों' की आवाज के अलावा कुछ सुनाई नहीं देता।

जवानों को भड़का रहा विपक्ष : स्वतंत्र देव

यूपी के मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने विपक्ष पर जवानों को भड़काने का आरोप लगाया। उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि पहले किसान को भड़काया, अब जवान को भड़काएंगे। राजनीति के लिए यह विपक्षी कब तक आग लगाएंगे?

युवा पंचायत करेंगे जयंत

अग्निपथ योजना के खिलाफ रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद जयंत चौधरी युवा पंचायत करेंगे। 12 जुलाई को आगरा में युवा पंचायत प्रस्तावित है। वे विभिन्न जिलों में युवा पंचायत करेंगे। इसका कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। वे 28 जून को शामली से इसकी शुरुआत करेंगे।

यूपी में गठित हो सकती हैं 60 और नगर पंचायतें!

» नगरीय निकाय चुनाव से पहले होगा विस्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश सरकार नगरीय निकाय चुनाव से पहले नई नगर पंचायतों के गठन व पुराने नगरीय निकायों का सीमा विस्तार करने जा रही है। नई गठित होने वाली नगर पंचायतों की संख्या 60 से ज्यादा हो सकती है, जल्द ही इन्हें कैबिनेट की मंजूरी मिल सकती है। वहीं, प्रदेश के 140 से अधिक नगरीय निकायों ने अपने परिसीमन को अंतिम रूप देकर निदेशालय को सौंप दिया है। इस साल नवंबर में नगरीय निकाय चुनाव प्रस्तावित हैं। पिछले चुनाव से इस बार 86 नए नगरीय निकाय बढ़ गए हैं। 66 ऐसे नगरीय निकाय भी हैं, जिनमें सीमा विस्तार हुआ है। ऐसे में इन निकायों में वार्डों का गठन और परिसीमन किया जाना था।

सूत्रों के अनुसार नगर निगमों में अधिकतम वार्डों की संख्या 110 से ज्यादा करने पर सरकार ब्रेक लगा सकती है। यह कयास इसलिए भी लगाए जा रहे हैं क्योंकि हाल ही में सरकार ने नगरीय निकायों को परिसीमन की प्रक्रिया जल्द पूरी करने के भी निर्देश दिए हैं। राजस्व परिषद फसली वर्ष 1430 (पहली जुलाई 2022 से 30 जून 2023 तक) में प्रदेश के 23,223 राजस्व गांवों की खतौनियों में दर्ज खातेदारों व सह-खातेदारों के गाटों में अंश निर्धारण के लिए 21 जून से अभियान चलाएगा। आयुक्त एवं सचिव राजस्व परिषद मनीषा त्रिघाटिया ने सभी जिलाधिकारियों को खातेदारों व सह-खातेदारों के गाटों में अंश निर्धारण का कार्यक्रम जारी कर दिया है। कार्यक्रम के अनुसार 21 से 30 जून तक जिलाधिकारी अपने जिले के राजस्व गांवों की खतौनियों के पुनरीक्षण और उनमें दर्ज खातेदारों/सह खातेदारों के अंश निर्धारण के लिए सूचना प्रकाशित कराएंगे। एक जुलाई से 31 अगस्त तक लेखपाल खातेदारों/सह खातेदारों के खातावार और गाटा नंबरवार अंश को प्रारंभिक रूप से सह खातेदारों और राजस्व समिति के परामर्श से आकार पत्र खंड पुस्तिका-2 तैयार करेंगे। एक से 30 सितंबर तक लेखपाल सह खातेदारों के गाटा नंबरवार प्रस्तावित अंश के उद्धरण को आकार पत्र खंड पुस्तिका-3 में तैयार करेंगे। साथ ही राजस्व निरीक्षक सभी खातेदारों/सह खातेदारों को नोटिस जारी कर लेखपाल के माध्यम से तामील कराएंगे। एक से 30 नवंबर तक राजस्व निरीक्षक ग्राम राजस्व समिति से परामर्श, जांच पड़ताल व पक्षों के बीच सुलह-समझौते के आधार पर आपत्तियों का निस्तारण कर अंश निर्धारण का आदेश पारित करेंगे। खातेदार/सह खातेदार की अनिस्तारित आपत्तियों को एक से 15 दिसंबर तक उप जिलाधिकारी को निर्णय के लिए भेजा जाएगा।

यूपी में अचानक बढ़ी लाइफ लाइन बिजली उपभोक्ताओं की संख्या

» प्रमुख सचिव ऊर्जा ने दिए जांच के आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में लाइफ लाइन बिजली उपभोक्ताओं की संख्या में रातों-रात हुई बढ़ोतरी और पावर कारपोरेशन की रिपोर्ट में इन उपभोक्ताओं की अलग-अलग संख्या के मामले में नियामक आयोग ने रिपोर्ट मांगी है। उप्र राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने इस प्रकरण पर प्रमुख सचिव ऊर्जा एम देवराज से कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं बिजली उपभोक्ताओं से एक वर्ष से ज्यादा वसूले गए 485 करोड़ रुपये को समायोजित करने की भी मांग की है।

उप्र राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा के मुताबिक 19 लाख लाइफ लाइन बिजली उपभोक्ताओं की संख्या इस वर्ष बिजली कंपनियों द्वारा अचानक बढ़ाकर 1.39 करोड़ कर दी गई। यानी 1.20 करोड़ उपभोक्ता बढ़ गए। उपभोक्ताओं की संख्या बढ़ने के पीछे तर्क दिया गया कि यह गलती से सौभाग्य योजना के दिखाए जा रहे थे। ऐसे में सौभाग्य योजना के तहत एक किलोवाट का बिजली कनेक्शन लेने पर 100 यूनिट के बाद 3.35 रुपये प्रति यूनिट के हिसाब से बिल देना होता है। फिक्स्ड चार्ज भी प्रति माह 90 रुपये है। वहीं लाइफ लाइन बिजली उपभोक्ता को तीन रुपये प्रति यूनिट के हिसाब से बिल का भुगतान और प्रति माह 50 रुपये फिक्स्ड चार्ज देना होता है। ऐसे में इन उपभोक्ताओं से 35 रुपये प्रति यूनिट और 40 रुपये प्रति माह अधिक देना पड़ा। ऐसे में 485 करोड़ रुपये इन उपभोक्ताओं से ज्यादा वसूले गए और अब इन्हें आगे बिजली बिल में समायोजित किया जाए। वहीं दूसरी ओर पावर कारपोरेशन की सीएस-थ्री रिपोर्ट में केवल 32 लाख बिजली उपभोक्ता दिखाए जा रहे हैं। प्रमुख सचिव ऊर्जा ने इस प्रकरण की जांच के आदेश दिए हैं।

सपा नेता रामेश्वर सिंह को नहीं मिली जमानत

» कोर्ट ने अर्जी की खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एटा में अलीगंज के पूर्व विधायक व सपा नेता रामेश्वर सिंह यादव को न्यायालय से जमानत नहीं मिल सकी। कल गैंगस्टर एक्ट कोर्ट में उनके जमानत प्रार्थना पत्र को निरस्त कर दिया गया। उनके अधिवक्ताओं ने न्यायालय में दलील रखी कि पुलिस ने आपराधिक इतिहास गलत दर्शाया है। पूर्व विधायक की अधिक उम्र का भी हवाला दिया, लेकिन न्यायाधीश विनोद कुमार ने जमानत का पर्याप्त और न्यायोचित आधार न बताते हुए प्रार्थना पत्र को निरस्त कर दिया।

वहीं एससी-एसटी एक्ट के एक अन्य मामले में जमानत अर्जी पर सुनवाई के लिए शुक्रवार की तारीख तय की गई है। गैंगस्टर एक्ट कोर्ट में प्रार्थना पत्र पर सुनवाई के दौरान पूर्व विधायक के अधिवक्ताओं और शासकीय पक्ष के अधिवक्ताओं में काफी लंबी बहस हुई। पूर्व विधायक के अधिवक्ताओं ने कहा कि पुलिस ने 78 मुकदमे दिखाए हैं, जबकि अधिकांश मामले खत्म हो चुके हैं। वह किसी में सजायाफ्ता नहीं हैं। आपराधिक इतिहास का भ्रामक प्रचार किया जा रहा है। इस पर डीजीसी रेशपाल सिंह राठौर सहित सरकारी वकीलों ने विरोध करते हुए कहा कि सपा शासन काल में सत्ता के प्रभाव में मामलों में एफआर लगी या वापस ले लिए। पूर्व विधायक को दोषमुक्त नहीं किया गया। पूर्व विधायक के अधिवक्ताओं ने तर्क रखा कि पूर्व विधायक की उम्र करीब 72 वर्ष है और वह हृदय सहित अन्य रोगों से ग्रसित हैं।

पर्यावरण संरक्षण की परंपरा शुरू करें : भागवत

» मेरठ में बोले संघ प्रमुख, जंगलों को बचाना होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मोहन भागवत ने मेरठ में कहा पानी एक ऐसा विषय है जिसका महत्व समझाने की आवश्यकता नहीं है। हमारी संस्कृति जंगल और कृषि पर आधारित रही है। ऐसे में प्राकृतिक संपदा के बिना प्रकृति का वर्णन नहीं हो सकता। हमने कृषि व विकास के लिए पश्चिमी अवधारण को अपनाया है। जिस कारण हमें इसके दुष्परिणाम भी देखने पड़ रहे है। अब जो हो गया सो हो गया लेकिन अब अपनी संस्कृति व संस्कारों की और लौटने का समय है।

इसके लिए पर्यावरण को पवित्र मानकर संरक्षण की परंपरा शुरू करें। स्वयं सेवक संघ के सर संघचालक डॉ. मोहन भगवत ने सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी में कहा कि पानी के लिए देश में बड़े-बड़े बांध बनाए गए हैं। जिसे असंतुलन की स्थिति बन गई है। कहीं पानी की कमी दूर हो गई है, जबकि कहीं किल्लत भी हो गई है। पानी को लेकर झगड़े शुरू हो गए हैं। जबकि नदी के पानी पर सबका अधिकार होता है। हमें इन सब बातों के निदान पर विचार करना होगा। उन्होंने कहा कि हमने विकास के लिए पश्चिम की अवधारणा को अपनाया और पर्यावरण को लेकर भी अवधारणा तैयार कर ली। अब सबको एक साथ कैसे साधा जाए, इसके लिए समग्र दृष्टि की जरूरत है। अब हमें वापस अपनी संस्कृति व संस्कारों की और लौटना होगा। पानी को लेकर सिर्फ विचार करने से कार्य नहीं चलेगा, दूसरे उपाय भी सोचने होंगे। बरसात के पानी को संचित करने को लेकर भी चुनौती बढ़ गई है। पर्यावरण को लेकर डॉ. भागवत ने कहा कि हम सबको पर्यावरण को पवित्र मानकर संरक्षण की परंपरा शुरू करनी होगी। सर संघचालक ने कहा कि हमारे यहां गाय दूध के लिए नहीं खेती के लिए पाली जाती थी। क्योंकि मशीन से खेती करने से जमीन को खराब करती है। इसलिए बैलों से खेती की जाती थी और किसान कम खर्च व पानी की मदद से खेती करता था।

जनसंख्या को लेकर जताई चिंता

जल संरक्षण को लेकर गुजरात व महाराष्ट्र का उदाहरण देते हुए डा. भागवत ने कहा कि दोनों राज्यों में पानी की किल्लत दूर करने के लिए बेहतर प्रबंधन किया गया है। क्योंकि ग्लेशियर से गंगा, ब्रह्मपुत्र, यमुना व सिंधु नदी को ही पानी पानी मिलता है। जबकि देश की अन्य नदियों को सदानीरा जंगल करते हैं। जंगल में पेड़ों के मूल से पानी रिस कर नदियों में पहुंचता है। इसलिए जंगलों को बचाना जरूरी है। भागवत ने कहा कि जब कभी जनसंख्या पर नियंत्रण होता तब होगा, लेकिन संसाधनों को लेकर विचार करना होगा।

कैदियों की परिजनों से हो सकेगी वीडियो कॉल पर बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कारागार विभाग के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मवीर प्रजापति ने कहा है कि जेलों में बंद कैदियों की उनके परिजनों से वीडियो काल के जरिए बात कराए जाने की व्यवस्था की जाए। बंदियों से उनके परिजनों से होने वाली बातचीत की रिकार्डिंग की भी व्यवस्था हो। इससे न सिर्फ कैदियों के परिजनों को जेल के चक्कर लगाने से निजात मिलेगी, बल्कि अनियमितता की शिकायतें भी दूर होंगी। जेल मंत्री ने प्रदेश भर की जेलों के अधिकारियों के साथ वीसी में ये निर्देश दिए। जेल मंत्री ने कहा कि अपनी मां के साथ जेलों में रहने वाले बच्चों की पढ़ाई-लिखाई बेहतर ढंग से हो तथा उन्हें यह महसूस न हो कि वे जेल में रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि कैदियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षित किया जाए। जल्द ही बंदियों द्वारा तैयार किए गए उत्पाद को इस्टाल लगाकर उन्हें आमजन तक पहुंचाया जायेगा। धर्मवीर प्रजापति ने जेल अधीक्षकों को निर्देश दिए कि कि कैदियों के भोजन की बेहतर व्यवस्था हो, मानकों के साथ कोई समझौता न किया जाए। मंत्री ने योग दिवस की तैयारियां समय से पूरी करने के भी निर्देश दिए।

पर्यटन को रफ्तार देगा ईको टूरिज्म, सरकार ने बनाया प्लान

ओडीओपी की तर्ज पर लॉन्च की एक जिला एक गंतव्य

अब तक 56 जिले किए गए चिन्हित, बढ़ाई जाएंगी सुविधाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पर्यटन को रफ्तार देने के लिए प्रदेश सरकार ने ईको टूरिज्म पर अपना फोकस बढ़ा दिया है। एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) की तर्ज पर इको टूरिज्म के लिए एक जिला, एक गंतव्य (ओडीओडी) के प्लान को जमीन पर उतारने की कवायद तेज कर दी गई है। सरकार को ईको टूरिज्म से प्रदेश के पर्यटन उद्योग में नई ऊर्जा आने की उम्मीद है, साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार भी बढ़ेगा।

अब तक प्रदेश के 56 जिलों में ईको टूरिज्म के लिए स्थल चयनित हो चुके हैं। वन विभाग ने इसके लिए नौ इको टूरिज्म सर्किट भी चिह्नित कर लिए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को ईको टूरिज्म की संभावनाओं को प्रोत्साहित करने के लिए ओडीओडी योजना चलाने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत हर जिले में अनुकूल स्थलों का चयन कर वहां पर्यटन सुविधाएं बेहतर बनाई जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने इस योजना में वन विभाग को पर्यटन विभाग के साथ परस्पर समन्वय कर इन स्थलों के व्यापक प्रचार-प्रसार के भी निर्देश दिए हैं। ईको टूरिज्म विकसित करने के लिए पर्यटन विभाग, वन विभाग तथा उत्तर प्रदेश वन निगम की एक संयुक्त टीम काम कर रही है। इस टीम ने प्रदेश के अलग-अलग स्थलों को चिह्नित किया है। कई स्थलों की वास्तविकता जानने के लिए टीम ने ड्राइ-रन भी किया है। अब तक 56 जिलों में ऐसे पर्यटन स्थल चयनित हो चुके हैं। शीघ्र शेष बचे जिलों में भी पर्यटन स्थलों के चयन का कार्य पूरा कर कर लिया जाएगा। ईको टूरिज्म योजना के तहत पर्यटन, वन्य जीव एवं अन्य वानिकी कार्यों में स्थानीय लोगों को शामिल किया जाएगा।

तैनात किए जाएंगे नेचर गाइड

स्थानीय शिक्षित व योग्य युवाओं को नेचर गाइड बनाया जाएगा। इसके लिए युवाओं का चयन कर उनको प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। प्रशिक्षण के लिए भी सरकार विस्तृत कार्ययोजना बना रही है।

ईको टूरिज्म के नौ सर्किट

- पश्चिमी वन्यजीव सर्किट
- पश्चिमी वेटलैंड व पक्षी सर्किट
- गंगा बेसिन सर्किट
- बृजभूमि वन्यजीव व वेटलैंड सर्किट
- दक्षिणी / बुंदेलखंड सर्किट
- विंध्य वन सर्किट
- पूर्वी वन्यजीव सर्किट
- सेंट्रल वेटलैंड व पक्षी सर्किट
- टाइगर सर्किट

आजमगढ़ लोक सभा उपचुनाव : रामगोपाल यादव ने डाला डेरा, बना रहे रणनीति

» **सपा नेता बोले, भाजपा है कलाकारों की पार्टी**

» **यहां की जनता सपा के समर्थन में ही करेगी वोट**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजमगढ़ लोक सभा उपचुनाव में भतीजे धर्मेंद्र यादव के पक्ष में सपा के राज्य सभा सदस्य प्रो. रामगोपाल यादव ने जिले में डेरा डाल दिया है। सुबह से लेकर शाम तक केंद्रीय कार्यालय पर बैठकर विधान सभा वार तैयारियों की समीक्षा कर रहे हैं। जिन विधान सभा क्षेत्रों में कमियां रह गई हैं, वहां के पदाधिकारियों को उन कमियों को दूर करने के निर्देश दे रहे हैं। रामगोपाल यादव का कहना है कि इस बार और अधिक मतों से जिले की जनता धर्मेन्द्र यादव को चुनाव जिताने जा रही है। उनका कहना है कि यहां की कमान मैं नहीं, यहां की जनता और नेता संभाले हैं।

आजमगढ़ ही नहीं, आसपास के जौनपुर, गाजीपुर अंबेडकर नगर जिले में भी इस उपचुनाव का प्रभाव पड़ेगा इसीलिए ही यहां की जनता पहले से ज्यादा मतों से इस लोक सभा के उपचुनाव में धर्मेंद्र यादव को जिताने जा रही है। भाजपा पर निशाना साधते हुए सपा नेता का कहना है कि भाजपा कलाकारों की पार्टी है। कलाकार ही जनता को धोखा देते हैं। जिसको वह कलाकार कहते हैं उसका नाम पार्लियामेंट के चुनाव में मैंने पहली बार सुना वर्ना कलाकारों के नाम को तो सारी दुनिया जानती है। बुलडोजर कार्रवाई को देश का सुप्रीम कोर्ट देख रहा है। यूपी में भाजपा सरकार आने के बाद कानून का राज ही नहीं। संविधान कानून विधि का कानून सब खत्म हो गया। अगर कोई क्राइम होता है तो यह कहां लिखा कि उनका घर तोड़ दो। इस बात को कोई डीएम-एसपी नहीं बता सकता। नक्शा पास नहीं हुआ तो थोड़ा बहुत तोड़ा गया। जिस व्यक्ति को मुलजिम बना दिया उसके नाम मकान भी नहीं बावजूद इसके तोड़ रहे। उन्होंने कहा कि न्यायिक दिक्कत है। यूपी की निचली ज्यूडिसरी और इलाहाबाद हाईकोर्ट से यूपी की जनता पूरी तरह से निराश हो चुकी है। सरकारी वकील कोर्ट में पहुंच कर टाइम मांगता है तब तक तोड़-फोड़ हो जाती है।

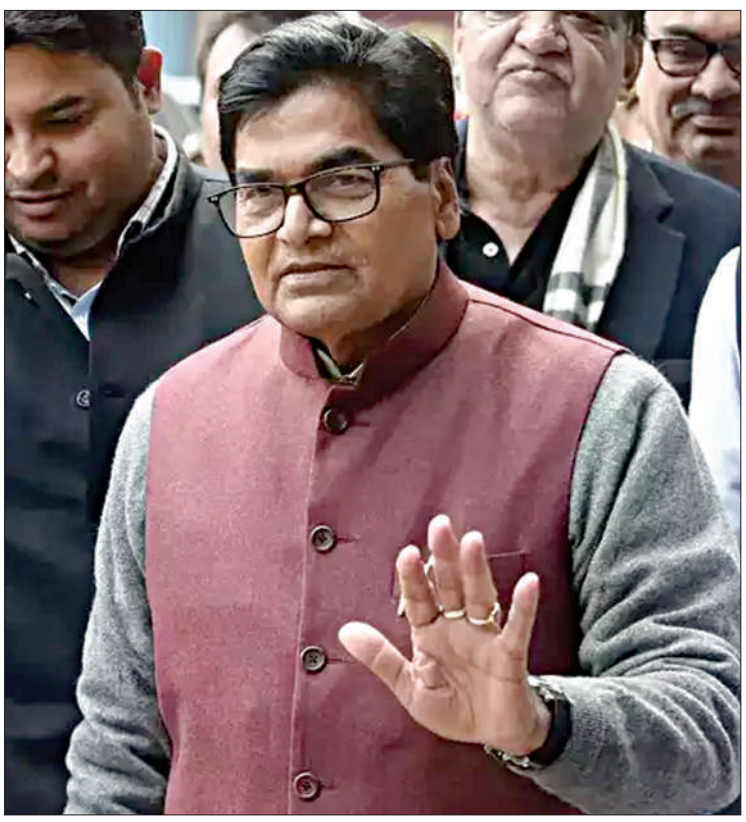

भाजपा के लोगों ने कराया कानपुर उपद्रव

रामगोपाल यादव का आरोप है कि कानपुर उपद्रव के पीछे भाजपा के लोग हैं। भाजपा ने पूरे देश में विषैला वातावरण बना दिया है। आज नहीं तो कल पूरे देश की जनता को इसके दुष्परिणाम भुगतनें होंगे। उन्होंने आगे कहा, वकीलों का पैनल तभी सक्सेस होगा जब न्यायालय से न्याय मिले। अभी सुप्रीम कोर्ट से उम्मीद है कि कुछ राहत मिलेगी। जब तक हाईकोर्ट को पार कर सुप्रीम कोर्ट मामला पहुंचेगा तब तक बर्बाद कर दिया जाता है।

बुलडोजर से घर गिरा रही सरकार

हमारे देश में न्याय की एक प्रक्रिया है पहले 82 फिर 83 के तहत नोटिस जारी की जाती है। न्यायालय जाना अधिकार है। भाजपा के लोग बुलडोजर जाकर घर गिरा रहे हैं यह कहां का कानून है। भाजपा के लोग देश के संविधान न्याय की आत्मा को तोड़-मरोड़ रहे हैं। भाजपा के लोगों को समझना चाहिए। न्यायिक प्रक्रिया का पालन करना चाहिए। इसकी व्यवस्था है। देश के संविधान में ऐसा तो नहीं की भाजपा सरकार आने के पहले लोगों पर कार्रवाई नहीं हो रही है।

योगी सरकार ने आजमगढ़ के साथ किया सौतेला व्यवहार : धर्मेंद्र

आजमगढ़ संसदीय सीट से सपा प्रत्याशी धर्मेंद्र यादव का कहना है कि भाजपा के लोगों ने कलाकारों को अपमानित करने का काम किया है। यही कारण है कि यश भारती जैसी योजना बंद की है। प्रदेश की सत्ता में बैठी विपक्षी दलों ने हमेशा आजमगढ़ के साथ सौतेला व्यवहार किया है। यही कारण है कि जिले की जनता हमेशा सपा के साथ रही और आजमगढ़ में जो भी विकास कार्य हुए, सपा ने ही किए। भाजपा के लोगों को हमारी चिंता करने की जरूरत नहीं है। हमारी चिंता करने के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और हमारे लोग हैं। योगी सरकार के अन्याय, अत्याचार और शोषण के खिलाफ जनमानस की भावना थी कि अखिलेश यादव विधान सभा में बैठें और सरकार से सवाल करें। इसी कारण यहां से इस्तीफा दिया है। इस जिले से मुझे चुनाव लड़ने का मौका मिला यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

एकतरफा है उपचुनाव आजमगढ़ में

सपा नेता राम गोपाल यादव ने 2022 के विधान सभा चुनाव में सपा की हार के सवाल पर कहा कि मशीनों को बदला गया। जिन लोगों ने रोकने का काम किया उन्हें जेल जाना पड़ा। बैलेट पेपर से जहां-जहां चुनाव हुआ वहां पर सपा 300 से अधिक सीटें जीती। आजमगढ़ के उपचुनाव में जीत के सवाल पर सपा नेता का कहना है कि यह उपचुनाव समाजवादी पार्टी एक तरफा जीत रही है। समाजवादी पार्टी को हर वर्ग, जाति धर्म के लोग वोट दे रहे है। यहां कोई एम और वाई फैक्टर काम नहीं करेगा। जाति और धर्म की बात भाजपा के लोग करते है वे लोग फेल हो जाएंगे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

आर्थिक मंदी की आहट

> कोरोना महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध ने दुनिया भर के देशों की आर्थिक चाल को डांवाडोल कर दिया है। विकसित और विकासशील देशों की न केवल जीडीपी में गिरावट हो रही है बल्कि महंगाई में भी लगातार इजाफा हो रहा है। इसका असर मुद्रा पर भी पड़ रहा है। भारत समेत तमाम देशों की मुद्राओं का तेजी से अवमूल्यन हो रहा है।

कोरोना महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध ने दुनिया भर के देशों की आर्थिक चाल को डांवाडोल कर दिया है। विकसित और विकासशील देशों की न केवल जीडीपी में गिरावट हो रही है बल्कि महंगाई में भी लगातार इजाफा हो रहा है। इसका असर मुद्रा पर भी पड़ रहा है। भारत समेत तमाम देशों की मुद्राओं का तेजी से अवमूल्यन हो रहा है। अर्थव्यस्था के हालातों को देखकर अर्थशास्त्रियों ने एक और वैश्विक आर्थिक मंदी की आशंका जताई है। सवाल यह है कि आर्थिक मंदी की आशंका बढ़ती क्यों जा रही है? क्या केवल कोरोना व रूस-यूक्रेन युद्ध बिगड़ती अर्थव्यवस्था के लिए जिम्मेदार हैं? महंगाई को नियंत्रित करने में दुनिया के देश नाकाम क्यों हैं? क्या मांग-आपूर्ति का असंतुलन आर्थिक गिरावट के लिए जिम्मेदार है? आखिर बड़े-बड़े सरकारी बैंक क्या कर रहे हैं? क्या ब्याज दरों को बढ़ाकर हालात पर काबू पाया जा सकता है? क्या भारत भी आर्थिक मंदी की चपेट में आएगा?

भारत ही नहीं अमेरिका, जापान, ब्रिटेन और जर्मनी जैसे आर्थिक रूप से मजबूत देशों में भी महंगाई चरम पर है। लगभग हर बड़े देश की मुद्रा का अवमूल्यन हो रहा। शेयर बाजार क्रैश हो रहे हैं। सबसे ज्यादा महंगाई टर्की में है। यहां यह 73.5 फीसदी के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुकी है। अमेरिका में 8, ब्रिटेन में 9, जर्मनी में 7.9, ब्राजील में 11.7, रूस में 17, पाकिस्तान में 14 और भारत में महंगाई दर करीब सात फीसदी है। महंगाई के कारण वैश्विक व्यापार महंगा हो गया है। जिसका सीधा असर मुद्रा पर पड़ रहा है। डॉलर के मुकाबले ब्रिटेन का पाउंड 11 फीसदी, यूरोपीय देशों की मुद्रा यूरो 7.6, जापानी मुद्रा येन 17.2 और रुपया 4.7 प्रतिशत तक गिरा है। महंगाई से निपटने और मांग-आपूर्ति के बीच बड़े अंतर को रोकने के लिए दुनिया के करीब पचास देशों के बैंकों ने ब्याज दरें बढ़ा दी हैं। इससे महंगाई और बढ़ गयी है क्योंकि आम आदमी के खर्च के सापेक्ष आय में वृद्धि नहीं हुई है। वहीं स्टॉक मार्केट के क्रैश होने से निवेशक पूंजी लगाने में हिचक रहे हैं। इसके कारण रोजगार के साधनों में वृद्धि नहीं हो रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध ने मंदी की आशंका को और बढ़ा दिया है। कोरोना के प्रति जीरो नीति के कारण जहां चीन में कंपनियां ठप पड़ी है वहीं रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण तेल और खाद्यान्नों की कीमतें आसमान पर पहुंच गई हैं। चीन में उत्पादन नहीं होने से आपूर्ति चेन बिगड़ गयी है। इसके कारण आर्थिक मंदी का संकट एक बार फिर खड़ा होता नजर आ रहा है। इससे निपटने के लिए आर्थिक रूप से मजबूत देशों को मिलकर समाधान खोजना होगा अन्यथा विकासशील व अविकसित देशों की हालत खराब हो जाएगी।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जनशिक्षा के उत्तरदायित्वों से मुक्ति की कोशिश

इंद्रजीत सिंह

हाल ही में करनाल जिले के मंचूरी गांव के स्कूली बच्चे और अभिभावक अपने गांव के स्कूल में अध्यापकों की नियुक्ति व अन्य सुविधाओं की मांग को लेकर पदयात्रा पर निकल पड़े। इनके स्कूल में मात्र एक ही शिक्षक था। वे भयंकर गर्मी में गांव से 40 किलोमीटर दूर करनाल में जिला शिक्षा अधिकारी से अपनी गुहार लगाने चले थे। सत्याग्रह की तर्ज पर स्कूली बच्चों की ओर से उठाए गए इस अभूतपूर्व कदम में निश्चित तौर पर बेमिसाल नैतिक शक्ति निहित थी। लिहाजा पदयात्रा की भनक लगने पर जिला शिक्षा अधिकारी रास्ते में ही बच्चों से मिलने जब पहुंचे तब तक वह 10 किलोमीटर चल चुके थे। उनकी कुछ सुनवाई हुई व दो अतिरिक्त अध्यापकों की व्यवस्था की गई।

जनवरी में ऐसा ही एक प्रकरण रोहतक में देखने को मिला था जब नियम 134-ए के तहत प्रवेश न दिए जाने पर स्कूली बच्चों ने उपायुक्त कार्यालय के प्रांगण में विरोध स्वरूप कक्षा लगाई थी। ये दो प्रकरण कोई अपवाद नहीं हैं। स्कूल, कॉलेज व विश्वविद्यालयों में अध्यापकों की कमी अब एक आम बात है। हरियाणा विधान सभा के पिछले सत्र में प्रदेश के शिक्षा मंत्री कंवर पाल गुर्जर ने बताया था कि हरियाणा में स्कूल शिक्षकों के 38,476 पद खाली हैं। प्रदेश में लाखों प्रशिक्षण प्राप्त युवा बेरोजगारी का दंश झेल रहे हैं। एक तरफ तो शिक्षा जगत का यह परिदृश्य है, दूसरी ओर सरकारी मॉडल संस्कृति स्कूल खोलकर प्राइवेट स्कूलों के समकक्ष 'गुणवत्ता' की शिक्षा प्रदान करने जैसे दिवालियेपन का प्रमाण दिया जा रहा है।

पहले तो सरकारी स्कूली शिक्षा का पराभव, फिर प्रति खंड एक संस्कृति मॉडल स्कूल खोलकर प्राइवेट स्कूलों के समकक्ष गुणवत्ता की मिथ्या धारणा का रोपण। संस्कृति मॉडल स्कूलों की स्थापना अपने आप में हजारों सरकारी स्कूलों को उनके रहमोकरम पर छोड़े जाने की अनौपचारिक घोषणा की तरह देखी जानी चाहिए। यानी जनशिक्षा के अपने उत्तरदायित्व से पल्ला झाड़ लेने की कवायद। पहली से पीजी स्तर की शिक्षा को लेकर वर्तमान में जो प्रयोग हो रहे हैं उनके पीछे छिपे हुए एजेंडे के आखिर निहितार्थ क्या हैं?

हरियाणा सरकार ने इस शैक्षिक सत्र की शुरुआत में अचानक आर्थिक रूप से गरीब परिवारों के बच्चों को निजी स्कूलों में मिलने वाले 10 प्रतिशत प्रवेश कोटे को समाप्त करने का ऐलान कर दिया। पहले यह 25 प्रतिशत होता था जो कि निजी स्कूलों का सामाजिक उत्तरदायित्व माना जाता है क्योंकि उन्हें सस्ती भूमि व तमाम तरह की अन्य छूट प्रदान की जाती है। पिछली सरकारों ने इसे 25 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया था। बहरहाल 134-ए के नियम को समाप्त करते हुए यह दलील दी गई कि अब शिक्षा अधिकार अधिनियम लागू करेंगे। जब यह कानून 2009 में अस्तित्व में आया तो अब से पहले इसकी उपेक्षा क्यों की गई? संसद द्वारा पारित इस कानून के तहत 6 से 14 साल तक के हर बच्चे को मुफ्त व अनिवार्य शिक्षा पाने का मौलिक अधिकार है और इसे सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सरकारों की होगी। फिर हरियाणा सरकार ने पलटी मार दी और 134-ए को न केवल पुन: बहाल कर दिया बल्कि निजी स्कूलों में उनकी फीस भरने का दायित्व भी सरकार ने अपने ऊपर ले लिया। इस पूरे मामले में शिक्षा अधिकार कानून-2009 को फिर से धता बता दिया गया। कुछ माह पूर्व भी सभी विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों को राज्य सरकार ने अपने अधीन लेने जैसी वह घोषणा कर डाली जिसे विरोध के कारण वापस लेना पड़ा। विश्वविद्यालयों को मिलने वाली ग्रांट को कर्ज के रूप में तब्दील कर देने की अधिसूचना जारी कर दी गई जिसे वापस ले लिया गया। विद्यार्थियों को टैबलेट मुहैया करवाए जाने का महिमामंडन तो बहुत हुआ पर मौजूदा शैक्षिक सत्र की नई पुस्तकें अभी तक प्रकाशित न होने की कोई जवाबदेही नहीं। पाठ्यक्रमों में अवैज्ञानिक प्रकृति के अंधाधुंध संशोधन किए जा रहे हैं। केंद्र व राज्य सरकार के तमाम क्रियाकलाप राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप हैं। सर्वप्रथम तो शिक्षा चूंकि समवर्ती सूची का विषय है, इसमें ऐसे एकतरफा बदलाव करने का केंद्र सरकार को कोई संवैधानिक अधिकार नहीं है।

वास्तव में इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य शिक्षा के केंद्रीयकरण, व्यवसायीकरण और पार्टी एजेंडे पर ही लक्षित है। नव उदारवाद के इस दौर में शिक्षा जैसे निर्णायक महत्व के विषय को भी अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों की तर्ज पर अंधाधुंध निजीकरण की भेंट चढ़ाया जा रहा है। यह विडंबना है कि आज शिक्षा में निवेश की बजाय विनिवेश किया जा रहा है। सामाजिक सरोकारों की दृष्टि से देश को इसकी कीमत चुकानी होगी।

समाज को प्रकृति से जोड़ने की जरूरत

प्रह्लाद सबनानी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मध्य भारत प्रांत द्वारा पर्यावरण में सुधार के उद्देश्य से प्लास्टिक मुक्त ग्वालियर का आहवान करते हुए समाज के विभिन्न वर्गों, संस्थानों, स्कूलों, कॉलेजों एवं सरकारी विभागों को अपने साथ जोड़ते हुए ग्वालियर महानगर को प्लास्टिक मुक्त करने का संकल्प लिया गया है। शहरों को प्लास्टिक मुक्त करना भी पर्यावरण में सुधार का एक अच्छा तरीका है, और संघ जैसे स्वयंसेवी संगठन, समाज के विभिन्न वर्गों को अपने साथ लेकर, देश के पर्यावरण को शुद्ध करने हेतु प्रयास कर रहे हैं। इस धरा पर प्रकृति व मानव एक दूसरे के पूरक हैं एवं प्रकृति के बिना मानव की परिकल्पना नहीं की जा सकती है। प्रकृति दो शब्दों से मिलकर बना है प्र और कृति। प्र अर्थात प्रकृष्टि (श्रेष्ठ/उत्तम) और कृति का अर्थ है रचना। ईश्वर की श्रेष्ठतम रचना अर्थात सृष्टि। प्रकृति से सृष्टि का बोध होता है। प्रकृति अर्थात वह मूलत्व जिसका परिणाम जगत है। कहने का तात्पर्य प्रकृति के द्वारा ही समूचे ब्रह्माण्ड की रचना की गई है। प्रकृति और मनुष्य के बीच बहुत गहरा संबंध है। मनुष्य के लिए प्रकृति से अच्छा गुरु नहीं है। पृथ्वी मां स्वरुप है। प्रकृति जीवन स्वरुप है। पृथ्वी जननी है। प्रकृति पोषक है। पृथ्वी का पोषण प्रकृति ही पूरा करती है। अत: विकास और आधुनिकता की दौड़ में पर्यावरण को नुकसान पहुंचाना ठीक नहीं है। आजकल हम प्रकृति से दूर जा रहे हैं। झरना, नदी, झील और जंगल देखने के लिए हमें बहुत दूर जाना पड़ता है। पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने का खामियाजा हम समय-समय पर भुगत भी रहे हैं। कभी बाढ़ आ जाती है तो कभी बादल फटते हैं। कहीं धरती में पानी सूख रहा है तो कहीं की जमीन आग उगल रही है। यह सब क्लाइमेट चेंज की वजह से ही हो रहा है। पेडों के कटने से हवा इतनी दूषित हो गई है कि शहरों में सांस लेना भी मुश्किल हो गया है। ग्लोबल वार्मिंग से गर्मी अपनी चरम सीमा पर है। अत्यधिक गर्मी का पड़ना डायरिया, ब्रेन स्ट्रोक आदि बीमारियों का कारण बनता है। शहरों में जीवन तो पर्यावरण और प्रकृति से बहुत दूर हो गया है। यहां रहने वाले लोगों को ऐसी बीमारियां हो रही हैं जो पहले न कभी सुनी गई हैं और न कभी देखी गई हैं।

जलवायु, पर्यावरण को नियंत्रित करने वाला प्रमुख कारक है क्योंकि जलवायु से प्राकृतिक वनस्पति, मिट्टी, जलराशि तथा जीव जन्तु प्रभावित होते हैं। जलवायु मानव की मानसिक तथा शारीरिक क्रियाओं पर प्रभाव डालता है। मानव पर प्रभाव डालने वाले तत्वों में जलवायु सर्वाधिक प्रभावशाली है क्योंकि यह पर्यावरण के अन्य कारकों को भी नियंत्रित करता है। कहने का तात्पर्य यह है कि पृथ्वी का संरक्षण तभी संभव है जब हमारा पर्यावरण शुद्ध हो। विश्व में जलवायु परिवर्तन चिंता का विषय बना हुआ है। शहरों का भौतिक विकास जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा कारण है। मृदा संरक्षण में जलवायु परिवर्तन की भूमिका अहम् होती है। अतएव समाज को प्रकृति से जोड़ने और समाज को प्रकृति के करीब लाने की आवश्यकता है। मृदा संरक्षण और प्रकृति के बारे में समस्त समुदायों को जागरूक होना होगा। पृथ्वी की सुरक्षा का घेरा है वायुमंडल। प्रकृति का पूरे मानव जाति के लिए एक सामान व्यवहार होता है। प्रकृति का संबन्ध धर्म विशेष से नहीं होता। अतएव सभी मानव जाति को प्रकृति को अपना मूल अस्तित्व समझना चाहिए। पृथ्वी का वातावरण सूर्य की कुछ ऊर्जा को ग्रहण करता है, उसे ग्रीन हाउस इफेक्ट कहते हैं। पृथ्वी के चारों ओर ग्रीन हाउस गैसों की एक परत होती है। इन गैसों में कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन, नाइट्रस ऑक्साइड शामिल हैं। ये गैसें सूर्य की ऊर्जा का शोषण करके पृथ्वी की सतह को गर्म कर देती है इससे पृथ्वी की जलवायु परिवर्तन हो रहा है। गर्मी की ऋतु लम्बी अवधि की और सर्दी छोटी अवधि की होती जा रही है। अत: पर्यावरण की जागरूकता, जलवायु परिवर्तन की मार से बचा सकती है। जिस तरह से पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है उससे साफ है कि आने वाले वर्षों में तापमान 50 डिग्री सैल्सियस से ऊपर जा सकता है। दिल्ली में 15 मई को सफदरजंग में अधिकतम तापमान 45.6 डिग्री दर्ज किया गया था जबकि मुंगेशपुर का अधिकतम तापमान 49.2 डिग्री सैल्सियस तक पहुंच गया था। अत: पर्यावरण में सुधार लाने के उद्देश्य से हमें अधिक से अधिक पेड़ इस धरा पर लगाने चाहिए। विशेष रूप से उन पेड़ों का चुनाव किया जाना चाहिए जिनसे हमें ऑक्सीजन की मात्रा अधिक मिलती हो, जैसे पीपल, नीम, बरगद, जामुन, गूलर और चौड़ी पत्तियों वाले पेड़, आदि। ये पेड़ सर्वाधिक मात्रा में धूलकणों को भी रोकते हैं। पेड़-पौधों के सहारे ही अब हम प्रदूषण से जंग लड़ सकते हैं। नीम, पीपल, बरगद, जामुन और गूलर जैसे पौधे हमारे आसपास जितनी ज्यादा संख्या में होंगे, हम जहरीली हवा के प्रकोप से उतने ही सुरक्षित रहेंगे। ये ऐसे पौधे हैं जो कहीं भी आसानी से मिल जाते हैं और इनका रख-रखाव भी मुश्किल नहीं है। ये न केवल पर्याप्त मात्र में ऑक्सीजन देते हैं बल्कि पीएम 2.5 और पीएम 10 को पत्तियों के जरिये सोख लेते हैं और हवा में बहने से रोकते हैं। पेड़ों को परोपकार की प्रतिमूर्ति कहा जाता है। वृक्ष परोपकाराय शताम विभूतये, वृक्ष स्वयं न खाद्यंति- ऐसा वृक्ष के लिए ही कहा गया है। यदि आप वृक्ष के नीचे बैठेंगे तो आपको छाया मिलती है, पेड़ों से प्राणवायु (ऑक्सीजन) मिलता है, उसके पत्तों से औषधि मिलती है, साथ ही पेड़ों की पत्तियां वाष्पीकरण द्वारा वर्षा कराने में सहायक होती हैं। अत: मानसून के समय में सभी कम से कम एक वृक्ष लगाने का संकल्प लें।

सेहत की बात

लिवर के लिए सबसे फायदेमंद है ये देसी ड्रिंक

भारत में वर्षों से खान-पान की स्वस्थ परंपरा पर जोर दिया जाता रहा है। यही कारण है कि हमारे किचन में रोजाना उपयोग में लाए जाने वाले मसालों और खाद्य पदार्थों को शरीर के लिए काफी फायदेमंद माना जाता रहा है। विशेषकर गर्मी के इस मौसम में कई ऐसे देसी ड्रिंक्स के विकल्प मौजूद होते हैं जो न सिर्फ स्वाद के मामले में लोगों की पसंद रहे हैं,साथ ही इन्हें सेहत के लिहाज से भी काफी फायदेमंद पाय गया है। लस्सी ऐसा ही एक पेय है, जिसे आयुर्वेद और मेडिकल साइंस, दोनों ही सेहत के लिए, विशेषकर लिवर को स्वस्थ रखने में बेहद कारगर पेय के रूप में मानते हैं। दही को मथकर तैयार किया जाने वाला यह पेय कई तरह की पोषकता से भरपूर होता है, जिसका गर्मियों में नियमित सेवन आपको डिहाइड्रेशन की समस्या से बचाने के साथ पेट को स्वस्थ रखने और कई तरह की अन्य बीमारियों के खतरे को कम कर सकता है। आइए इस मौसम में लस्सी पीने से सेहत को होने वाले फायदों के बारे में जानते हैं।

त्वचा संबंधी लाभ

लस्सी में मौजूद लैक्टिक एसिड न केवल संक्रमण से लड़ने में मदद करते हैं साथ ही ये मुंहासों को रोकने, आपकी त्वचा को मॉइस्चराइज करने और दाग-धब्बों को कम करने में भी मददगार है। लैक्टिक एसिड और विटामिन-डी का संयोजन आपकी त्वचा पर उम्र बढ़ने के असर को कम करने में भी सहायक है। त्वचा के साथ लस्सी आपके बालों को स्वस्थ रखने के लिए भी लाभदायक है।

लस्सी

दही और लस्सी, प्रोबायोटिक्स के सबसे अच्छे प्राकृतिक स्रोतों में से एक है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इसका सेवन लिवर में वसा के जमाव को कम करने के साथ लिवर में सूजन, सिरोसिस के लक्षणों को कम करने और लिवर के कार्यों को आसान बनाने में काफी मददगार हो सकता है। चूंकि लस्सी को लिवर की सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है, ऐसे में विशेषज्ञों का मानना है कि वजन कम करने की कोशिश में लगे लोगों को भी इससे लाभ हो सकता है।

हड्डियों की कमजोरी होती है दूर

लस्सी, कैल्शियम से भरपूर होती है इसलिए यह आपकी हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए बेहतरीन पेय हो सकती है। कैल्शियम वाली चीजें हड्डी और दांतो को स्वास्थ रखने में काफी फायदेमंद मानी जाती है। नियमित रूप से कैल्शियम युक्त चीजों का सेवन करके उम्र के साथ होने वाली हड्डियों की समस्या को रोकने में काफी मदद मिल सकती है।

इम्युनिटी को मिलती है मजबूती

अपने दैनिक आहार में लस्सी को शामिल करना प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने में काफी मददगार हो सकता है। यह लैक्टिक एसिड और विटामिन-डी का समृद्ध स्रोत है, जो प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाने और शरीर को विभिन्न प्रकार के रोगों से सुरक्षित रखने में सहायक है। मजबूत इम्युनिटी के साथ शरीर के बेहतर स्वस्थ्य के लिए भी लस्सी के सेवन की विशेषज्ञ सलाह देते हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, सभी के लिए लस्सी का सेवन स्वास्थ्यवर्धक हो सकता है।

हंसना मना है

एक बार पप्पू को अकबर के सैनिकों ने पकड़ लिया और दरबार में लेके गये... अकबर- कौन हो तुम?? पप्पू- महाराज मैं पप्पू हूं... अकबर- इतनी रात को हमारे महल में क्या कर रहे थे?? पप्पू- कुछ नहीं महाराज (घबराते हुए) अकबर- सैनिकों, इसे ले जाओ और बंदी बना दो... पप्पू- महाराज रहम करो, मुझे बंदी मत बनाओ... मुझे बंदा ही रहने दो।

टीचर- बताओ संसार का सबसे पुराना जीव कौन सा है? पप्पू- जेबरा टीचर- कैसे? पप्पू- वो ब्लैक एंड व्हाइट है ना

घर के बाहर पति काफी देर से इंतजार कर रहा था। पति- अरे और कितनी देर गाओगी? पत्नी- चिल्ला क्यों रहे हो? आधे घंटे से कह रही हूं कि पांच मिनट में आ रही हूं। समझ में नहीं आता है क्या?

पप्पू शराब पीकर गाड़ी चला रहा था, अचानक गाड़ी एक खम्बे से टकरा गयी पुलिस- बाहर निकल साले पप्पू- माफ कर दो दरोगा जी। पुलिस- साले दारू पी के गाड़ी चलाता है, मुंह खोल। मुंह खोला तो दारू के कुल्ले पुलिस पर ही कर दिए।

पप्पू- अरे नहीं साब, पहले से खूब पी रखी है और कितना पिलाओगे। मास्टर- पढ़ाई शुरू कर दो, पेपर आने वाले हैं पप्पू- मैं तो खूब पढ़ाई करता हूं, कुछ भी पूछ लो। मास्टर अब क्या पूछू जब तुम हो ही इतने समझदार।

कहानी | स्त्री का विश्वास

एक स्थान पर एक ब्राह्मण और उसकी पत्नी बड़े प्रेम से रहते थे। किन्तु ब्राह्मणी का व्यवहार ब्राह्मण के कुटुम्बियों से अच्छा नहीं था। परिवार में कलह रहता था। प्रतिदिन के कलह से मुक्ति पाने के लिये ब्राह्मण ने मां-बाप, भाई-बहिन का साथ छोड़कर पत्नी को लेकर दूर देश में जाकर अकेले घर बसाकर रहने का निश्चय किया। यात्रा लंबी थी। जंगल में पहुंचने पर ब्राह्मणी को बहुत प्यास लगी। ब्राह्मण पानी लेने गया। पानी दूर था, देर लग गई। पानी लेकर वापस आया तो ब्राह्मणी को मरी पाया। ब्राह्मण बहुत व्याकुल होकर भगवान से प्रार्थना करने लगा। उसी समय आकाशवाणी हुई कि-ब्राह्मण! यदि तू अपने प्राणों का आधा भाग इसे देना स्वीकार करे तो ब्राह्मनी जीवित हो जायगी। ब्राह्मण ने यह स्वीकार कर लिया। ब्राह्मणी फिर जीवित हो गई । दोनों ने यात्रा शुरु कर दी। वहां से बहुत दूर एक नगर था। नगर के बारा में पहुंचकर ब्राह्मण ने कहा-प्रिये! तुम यहीं ठहरो, मैं अभी भोजन लेकर आता हूँ। ब्राह्मण के जाने के बाद ब्राह्मणी अकेली रह गई। उसी समय बारा के कुएं पर एक लंगड़ा, किन्तु सुन्दर जवान रहट चला रहा था। ब्राह्मणी उससे हंसकर बोली। वह भी हंसकर बोला। दोनों एक दूसरे को चाहने लगे। दोनों ने जीवन भर एक साथ रहने का प्रण कर लिया। ब्राह्मण जब भोजन लेकर नगर से लौटा तो ब्राह्मणी ने कहा-यह लंगड़ा व्यक्ति भी भूखा है, इसे भी अपने हिस्से में से दे दो। जब वहां से आगे प्रस्थान करने लगे तो ब्राह्मणी ने ब्राह्मण से अनुरोध किया कि- इस लंगड़े व्यक्ति को भी साथ ले लो। रास्ता अच्छा कट जायगा। तुम जब कहीं जाते हो तो मैं अकेली रह जाती हूं। बात करने को भी कोई नहीं होता। इसके साथ रहने से कोई बात करने वाला तो रहेगा। ब्राह्मण ने कहा-हमें अपना भार उठाना ही कठिन हो रहा है, इस लंगड़े का भार कैसे उठायेंगे? ब्राह्मणी ने कहा- हम इसे पिटारी में रख लेंगे। ब्राह्मण को पत्नी की बात माननी पड़ी। कुछ दूर जाकर ब्राह्मणी और लँगड़े ने मिलकर ब्राह्मण को धोखे से कुएं में धकेल दिया। उसे मरा समझ कर वे दोनों आगे बढ़े। नगर की सीमा पर राज्य-कर वसूल करने की चौकी थी। राजपुरुषों ने ब्राह्मणी की पटारी को जबर्दस्ती उसके हाथ से छीन कर खोला तो उस में वह लंगड़ा छिपा था। यह बात राज-दरबार तक पहुंची। राजा के पूछने पर ब्राह्मणी ने कहा-यह मेरा पति है। अपने बन्धु-बान्धवों से परेशान होकर हमने देस छोड़ दिया है। राजा ने उसे अपने देश में बसने की आज्ञा दे दी। कुछ दिन बाद, किसी साधु के हाथों कुएं से निकाले जाने के उपरान्त ब्राह्मण भी उसी राज्य में पहुँच गया। ब्राह्मणी ने जब उसे वहाँ देखा तो राजा से कहा कि यह मेरे पति का पुराना वैरी है, इसे यहाँ से निकाल दिया जाये, या मरवा दिया जाये। राजा ने उसके वध की आज्ञा दे दी। ब्राह्मण ने आज्ञा सुनकर कहा- देव! इस स्त्री ने मेरा कुछ लिया हुआ है। वह मुझे दिलवा दिया जाये। राजा ने ब्राह्मणी को कहा- देवी! तूने इसका जो कुछ लिया हुआ है, सब दे दे। ब्राह्मणी बोली- मैंने कुछ भी नहीं लिया। ब्राह्मण ने याद दिलाया कि-तूने मेरे प्राणों का आधा भाग लिया हुआ है। सभी देवता इसके साक्षी हैं। ब्राह्मणी ने देवताओं के भय से वह भाग वापस करने का वचन दे दिया। किन्तु वचन देने के साथ ही वह मर गई। ब्राह्मण ने सारा वृत्तान्त राजा को सुना दिया ।

10 अंतर खोजें

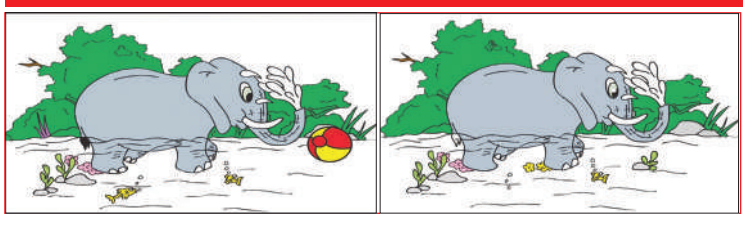

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

दोस्त आपका परिचय किसी खास इंसान से कराएंगे, जो आपकी सोच पर गहरा प्रभाव डालेगा। घरेलू कामकाज का बोझ और रुपये-पैसे को लेकर तनातनी वैवाहिक जीवन में परेशानी खड़ी कर सकती है।

वृषभ

आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज आपकी सभी मनोकामनाएं पूरी होगी और जीवन में सफलता प्राप्त होगी। जॉब करने वाले लोगों का बॉस के साथ सम्बन्ध बेहतर होगा जिससे काम का तनाव नहीं रहेगा।

मिथुन

स्वास्थ्य के लिहाज से बहुत अच्छा दिन है। आपकी खुशमिजाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। खर्च करते वक्त खुद आगे बढ़ने से बचें, नहीं तो आप खाली जेब लेकर घर लौटेंगे।

कर्क

इस राशि वाले लोगों का जीवन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपका मन कोई धार्मिक कार्य करने के लिये करेगा। इस राशि वाले लोग आज पत्नी से कोई भी कड़वी बात न बोलें, विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

सिंह

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई खुशनुमा पल लेकर आएगा। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। बहन की शादी की खबर खुशी का सबब लेकर आएगी। हालांकि उससे दूर होने का ख़याल आपको उदास भी कर सकता है।

कन्या

इस राशि वाले लोगों की निराशा दूर होगी। इस राशि वाले जो लोग जॉब करते हैं, आज उन्हें पदोन्नति हो सकती है। जो लोग विवाहित हैं उन्हें आज जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा।

तुला

जैसे ही आप हालात पर पकड़ बनाने की कोशिश शुरू करेंगे, आपकी घबराहट ग़ायब हो जाएगी। जल्दी ही आप पाएंगे कि यह परेशानी साबुन के उस बुलबुले की तरह है, जो छूते ही फूट जाता है।

वृश्चिक

इस राशि वालों का दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपके मुश्किल से मुश्किल काम भी आसानी से पूरे हो जायेंगे। ऑफिस में आपकी परफॉरमेंस अच्छी होने से विदेश घुमने जाने का अवसर प्राप्त हो सकता है।

धनु

शाम के समय थोड़ा आराम कीजिए। अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को खुशनुमा बना देगा। आपके प्रियजन खुश हैं और आपको शाम के लिए उनके साथ कोई योजना बनानी चाहिए।

मकर

आज आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा। जो लोग लम्बे समय से बीमार हैं आज उन्हें कुछ अच्छा फील करेंगे। इस राशि के जो लोग संगीत के क्षेत्र में स्ट्रगल कर रहे है, आज उन्हें कोई बड़ी सफलता मिल सकती है।

कुम्भ

कुदरत ने आपको आत्मविश्वास और तेज दिमाग से नवाजा है- इसलिए इनका भरपूर इस्तेमाल कीजिए. हालांकि धन आपकी मुट्ठियों से आसानी से सरक जाएगा, लेकिन आपके अच्छे सितारे तंगी नहीं आने देंगे।

मीन

इस राशि के लोगों का दिन बढ़िया रहने वाला है। आज आप व्यर्थ खर्च न करें। इस राशि के जो लोग ब्यूटिशियन का कोर्स कर रहे हैं, कारोबार बढ़ाने के उद्देश्य से आज का दिन ठीक है।

बॉलीवुड | मन की बात

निगेटिव रोल बना मुसीबत! एक्ट्रेस सिमरन को मिल रही रेप की धमकी

सोशल मीडिया पर एक्ट्रेसेस को रेप की धमकी मिलना बेहद आम बात हो चुकी है। टीवी सीरियल पांड्या स्टोर की एक्ट्रेस सिमरन के साथ भी एक ऐसी घटना हुई है। शो में सिमरन, ऋषिता का रोल निभाने के लिये जानी जाती हैं, जिसकी वजह से उन्हें लोगों के भद्दे-भद्दे कमेंट्स का शिकार होना पड़ा। कई बार हम टीवी सीरियल्स में निभाये जाने वाले किरदारों से खुद को काफी कनेक्ट कर लेते हैं। इतना ज्यादा कनेक्ट कि शो के विलेन को रियल लाइफ में भी वैसा ही समझ बैठते हैं। कई बार दिमाग में ये किरदार इतने हावी हो जाते हैं कि लोग स्टार्स को गंदी-गंदी बातें कहने तक से नहीं चूकते। एक इंटरव्यू के दौरान सिमरन बुधरूप ने भी ऐसा ही एक्सपीरियंस शेयर किया है। बताती हैं कि उन्हें सोशल मीडिया पर यंग जनेरशन से लगातार रेप और जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि आज की जनरेशन का एक ग्रुप सोशल मीडिया पर उन्हें टारगेट करके लगातार गाली-गलौच कर रहा है। इस चीज से वो इतनी परेशान हुईं कि उन्हें पुलिस स्टेशन तक जाना पड़ा। एक्ट्रेस ने बताया कि पहले तो वो ट्रोल करने वालों को हल्के में लेती रहीं पर जब बात हद से आगे बढ़ी, तो उन्हें पुलिस की मदद लेने के लिये जाना पड़ा। सिमरन बताती हैं कि शो में वो निगेटिव कैरेक्टर कर रहीं थीं। इसलिये वो इस तरह के कमेंट्स के लिये पहले से तैयार थीं। सीरियल में एक ट्रैक के दौरान जैसे ही उनकी वजह से रावी और देव का रिश्ता टूटा, लोगों ने उन्हें भला-बुरा कहना शुरू कर दिया। एक्ट्रेस ने ये भी कहा है कि उन्हें धमकी देने वाले लोग करीब 13-14 साल के होंगे। सिमरन कहती हैं कि मां-बाप बच्चों को फोन पढ़ाई करने के लिये देते हैं, लेकिन वो ऐसा करके पेरेंट्स का विश्वास तोड़ देते हैं।

डेब्यू से पहले ही बोल्ड हुई खुशी कपूर

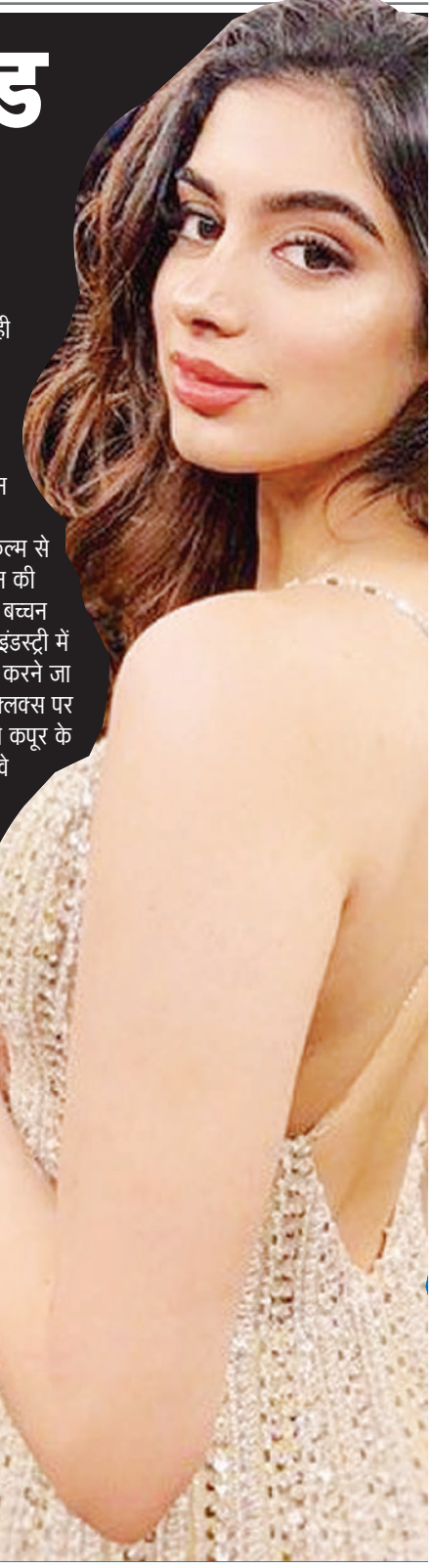

बॉलीवुड | मसाला

दिवंगत एक्ट्रेस श्रीदेवी की बेटी और जाह्नवी कपूर की छोटी बहन खुशी कपूर जल्द ही बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत करने जा रही हैं। हालांकि इससे पहले ही उन्होंने अपनी एक लंबी फैन फॉलोइंग बना ली है। अभी से खुशी के चाहने वाले पूरी दुनिया में मौजूद हैं, जो उन्हें सिर्फ देखने के लिए बेताब रहते हैं। ऐसे में खुशी ने बहुत जल्द और काफी कम उम्र में एक बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। खुशी सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर फैंस के साथ अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ की झलक शेयर करती रहती हैं। अब फिर से उन्होंने अपने नए अवतार से फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ा दी हैं। लेटेस्ट फोटोज में एक्ट्रेस काफी अलग लुक में दिख रही हैं। इस दौरान उन्होंने ग्रीन कलर की बेहद शॉर्ट ड्रेस कैरी की है। इस फोटोज में खुशी को एक कुर्सी पर बैठकर पोज देते देखा जा रहा है। इस दौरान वह नो-मेकअप लुक में नजर आ रही हैं और उन्होंने अपने बालों को ओपन रखा है। खुशी यहां काफी अट्रैक्टिव और ग्लैमरस दिख रही हैं। अब फैंस के बीच भी उनके इस लुक को काफी पसंद किया जा रहा है। कुछ मिनटों में ही उनकी ये फोटो तेजी से वायरल होने लगी है। वहीं, इस पर हजारों लाइक्स भी आ चुके हैं। गौरतलब है कि खुशी जोया खान के निर्देशन में बनी फिल्म द आर्चीज में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म से उनके अलावा शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान, अमिताभ बच्चन के नातिन अगस्त्य नंदा भी इंडस्ट्री में अपने करियर की शुरुआत करने जा रहे हैं। इस फिल्म को नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया जाएगा। खुशी कपूर के बारे में कहा जा रहा है कि वे जान्हवी कपूर से अच्छी एक्टिंग करेंगी।

राकेट जवानी में गर्दा उड़ानेको तैयार अक्षरा सिंह

अगर दिल में कुछ कर गुजरने का जुनून हो तो तमाम मुसीबतों के बावजूद भी इंसान अपनी मंजिल पा लेता है। इस बात का सबसे बड़ा उदाहरण अक्षरा सिंह हैं। भोजपुरी इंडस्ट्री में क्वीन का दर्जा का पाने वाली अक्षरा आज जिस मुकाम पर हैं। वहां तक पहुंचना उनके लिये बिल्कुल आसान नहीं रहा है। तमाम मुश्किलों के बावजूद अक्षरा ने वो कर दिखाया जो वो करना चाहती थीं। वैसे अक्षरा सिंह के फैंस के लिये एक गुड न्यूज लेकर आये हैं। पिछले कुछ महीनों में अक्षरा सिंह ने एक से बढ़ एक हिट सॉन्ग की लिस्ट लगा दी है। हाल ही में खेसारी लाल यादव के साथ वो सुनामी सॉन्ग में नजर आईं। सुनामी के जरिये अक्षरा और खेसारी ने फिर साबित कर दिया कि ये जब-जब साथ आयेंगे रॉक करेंगे। सुनामी के बाद भोजपुरी क्वीन अक्षरा एक नया गाना लेकर हाजिर होने वाली हैं। अक्षरा सिंह ने इंस्टाग्राम पर उनके अपकमिंग सॉन्ग का मोशन पोस्टर शेयर किया है, जिसमें रॉकेट जवानी लिखा दिख रहा है। अपकमिंग गाने की झलक शेयर करते हुए अक्षरा लिखती हैं, आ रही हूं गर्दा उड़ाने कुछ नया लेकर, जो मैंने पहले कभी नहीं आजमाया। आपका प्यार और आर्शीवाद चाहिये। मोशन पोस्टर में अक्षरा काफी कातिलाना नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस के नये म्यूजिक वीडियो का पोस्टर सामने आते ही उनके फैंस काफी एक्साइटेड नजर आ रहे हैं। हर कोई जानने के लिये बेताब है कि आखिर अक्षरा क्या नया करने जा रही हैं।

यहां मिला 1800 साल पुराना शापित मकबरा, जिस पर लिखी है खूनी चेतावनी

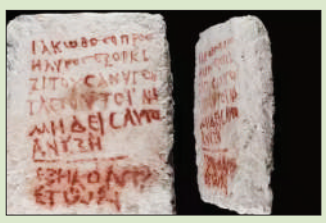

आपने हॉरर फिल्मों में डरावने कब्रिस्तान देखे होंगे। उनमें किसी मकबरे पर चेतावनी भी लिखी देखी होगी। ऐसा ही मामला इजराइल में सामने आया है। दरअसल, यहां पुरातत्वविदों को एक शापित और रहस्यमयी मकबरा मिला है। इस मकबरे पर एक खूनी चेतावनी लिखी है। दरअसल, इस मकबरे पर खून की तरह से लाल अक्षरों में इसे कभी नहीं खोलने की चेतावनी दी लिखी हुई है। इस मकबरे को बेइत शे अरीम इलाके में स्थित एक कब्रिस्तान में पाया गया है। यूनेस्को के इस विश्व विरासत स्थल पर पिछले 65 साल में इस तरह का यह पहला मकबरा मिला है। इस स्थान पर पिछले एक साल से खुदाई का काम जारी है। हालांकि पुरातत्वविदों के लिए यह पहली बड़ी खोज है। बताया जा रहा है कि खूनी चेतावनी लिखा यह मकबरा 1800 साल पुराना है। इस मकबरे पर बड़े-बड़े लाल अक्षरों में इसे खोलने वालों के लिए गंभीर चेतावनी लिखी गई है। विशेषज्ञों ने इस मकबरे पर लिखी चेतावनी का अनुवाद किया तो पता चला कि इस पर लिखा है, याकोव हगेर प्रण लेते हैं कि जो कोई भी इस कब्र को खोलेगा, वह उसे शाप दे देंगे। इसलिए कोई भी इस कब्र को नहीं खोले। विशेषज्ञों का मानना है कि हो सकता है कि यह चेतावनी कब्र चुराने वाले चोरों के लिए लिखी गई है। शोधकर्ताओं का कहना है कि यह संभवतः अन्य लोगों को मकबरे के दोबारा इस्तेमाल से रोकने के लिए लिखा गया है। शोधकर्ता अदी इरलिच कहती हैं, यह अन्य लोगों को बाद में मकबरे को खोलने से रोकने के लिए था जो अक्सर होता था। मकबरे का समय के साथ दोबारा इस्तेमाल किया जाता था। साथ ही शोधकर्ता अदी ने बताया मकबरे पर मिली लिखावट रोमन काल के बाद के दिनों या बयजंटाइन काल के शुरुआती दिनों की है। उस दौर में ईसाई धर्म मजबूत हुआ था। साथ ही उन्होंने कहा कि उस समय भी ऐसे लोग थे जो यहूदी लोगों के जुड़ना चाहते थे। शोधकर्ता का कहना है कि वे गुफा को बंद कर देंगे ताकि इसे कुछ समय के लिए सुरक्षित रखा जा सके। अभी फिलहाल किसी खुदाई की कोई योजना नहीं है।

अजब-गजब | इस शादी के लिए राष्ट्रपति से लेनी पड़ती है मंजूरी

इस देश में मुर्दों के साथ भी शादी करते हैं लोग, यूं होती हैं रस्में

दुनिया के कई देशों में विचित्र कानून हैं। शादी को लेकर भी कई देशों में अलग अलग कानून हैं। फ्रांस में भी शादी को लेकर एक अजीबोगरीब कानून है। दरअसल यहां लोग मृत लोगों से शादी कर सकते हैं। हालांकि मृत लोगों के शरीर के साथ शादी करने का ये कानून कोई पूरे फ्रांस में चलन में नहीं है, बल्कि इसे मानने वाले कुछ ही लोग हैं। इसके लिए बाकायदा कनून भी बना है जिसके लिए लोगों को राष्ट्रपति से शादी के लिए मंजूरी लेनी पड़ती है। दरअसल, फ्रांस एक ऐसा देश है जहां ऐसी शादियों के लिए कोई रोक-टोक नहीं है। यहां मुर्दे से भी शादी की अनुमति दी जाती है लेकिन इसके पीछे एक ठोस वजह होनी चाहिए और तब राष्ट्रपति द्वारा मंजूरी मिलती है। रिपोर्ट के अनुसार फ्रांस में 1950 के दशक में पारित एक कानून के अनुसार फ्रांस में लोगों को कानूनी तौर पर अपने मृत मंगेतर से शादी करने की अनुमति मिलती है। मरने के बाद भी उनसे विवाह के लिए इच्छुक व्यक्ति को देश के राष्ट्रपति की अनुमति लेनी पड़ती है और फिर वो पूरे धूमधाम से शादी कर सकता है। इतना ही इस शादी में सभी रस्में भी निभाई जाती हैं। शादी समारोह के दौरान मृतक की तस्वीर के बगल में खड़े होकर रस्म और रिवाज निभाते हैं। हालांकि, इस शादी में सख्त नियमों का पालन भी करना पड़ता है। राष्ट्रपति द्वारा मंजूरी मिलने के बाद मृत व्यक्ति की किसी भी संपत्ति या विरासत को जीवित साथी द्वारा प्राप्त करने की अनुमति नहीं देता है। इसके पीछे का तर्क ये है कि दोनों के बीच अब कोई वैवाहिक संपत्ति मौजूद नहीं थी। ऐसा माना जाता है कि अप्रैल फूल मनाने की शुरुआत भी फ्रांस से ही हुई थी। इसके अलावा यहां की महिलाएं दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले सबसे अधिक समय तक जीवित रहती हैं। बता दें कि फ्रांस में करीब 4700 प्रकार के पनीर के पकवान बनाए जाते हैं। इसके अलावा फ्रांस में दुनिया के सबसे ज्यादा लोग मोटे होते हैं। फ्रांस दुनिया का पहला ऐसा देश है, जहां सबसे पहले अंतरराष्ट्रीय इकाई प्रणाली को अपनाया गया, जैसे कि किलोमीटर, किलोग्राम, लीटर।

यूपी में विकास ठप, हर ओर फैली है अराजकता : अखिलेश

स्वास्थ्य, शिक्षा व्यवस्था ध्वस्त, लोगों को मिल रही महंगी बिजली

न किसानों की आय हुई दोगुनी न नौजवानों को मिला रोजगार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार पांच साल बिना कोई काम किए सिर्फ समाजवादी सरकार के कामों को अपना बताती रही और जब दोबारा सत्ता में आई तो सिर्फ बुलडोजर की धमक से अपना कार्यकाल पूरा करना चाहती है। भाजपा सरकार ने जनता को दो ही सौगातें दी हैं महंगाई और भ्रष्टाचार। हर तरफ अराजकता और अव्यवस्था का बोलबाला है। बेकारी और सरकारी अन्याय भाजपा की देन है।

उन्होंने कहा कि यूपी में भाजपा सरकार में विकास की सभी गतिविधियां अवरूद्ध हैं। अनावश्यक मुद्दों को लेकर भाजपा कलह की राजनीति करने की रणनीति पर जनता का समय बर्बाद कर रही है। राजकोष की लूट हो रही है। स्वास्थ्य, शिक्षा को भाजपा सरकार ने बदहाल किया है। बिजली की आवाजाही से गर्मियों में जनता त्राहि-त्राहि कर रही है। भाजपा राज में लोगों को महंगी बिजली और अघोषित कटौती ही मिल रही है। उन्होंने कहा कि किसानों और नौजवानों को भाजपा से धोखा मिला है। किसानों की फसलों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर नहीं खरीदा गया और न ही नौजवानों को रोजगार मिला। किसानों की फसल पूंजी घरानों की पांच कंपनियों ने खरीद लिया।

उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा लाये गये तीन काले कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलनकारी 700 से ज्यादा किसानों की मौत हो गई पर भाजपा सरकार नहीं पसीजी न उन्हें कोई मुआवजा दिया गया। किसानों की आय 2022 में दोगुनी करने का वादा पूरा नहीं हुआ।

उन्होंने कहा कि नौकरियों में भर्ती पर घोटाला हो रहा है। 70 लाख सालाना नौकरी देने का वादा करने वाली भाजपा सरकार ने चार लाख नौकरी देने की घोषणा की पर कहां किसको नौकरी मिली यह विवरण देने से मुंह चुराती है। निवेश के नाम पर तमाम झूठे सपने दिखाए जाते हैं पर कहां नए उद्योग लगे और कितने रोजगार सृजित हुए इसका कोई ब्यौरा नहीं मिला है। युवाओं को लैपटॉप, स्मार्टफोन, वाईफाई कनेक्शन के वादे भी झूठे निकले।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में बुनकरों, की हालत बहुत खराब है। उनको समाजवादी सरकार ने फ्लैट रेट पर बिजली दी थी। बुनकरों के उत्पाद के लिए समाजवादी सरकार ने बाजार बनाए थे, वे अब वीरान पड़े हैं। नोटबंटी और जीएसटी ने व्यापार चौपट कर दिया है। उन्होंने कहा कि पिछड़ों, दलितों और गरीबों के नाम की योजनाओं को लूट खसोट का माध्यम बना दिया है। उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त है। हत्या, लूट, बलात्कार के चलते अपराध में उत्तर प्रदेश नम्बर वन बन गया है। महिलाएं-बच्चियां सर्वाधिक असुरक्षित हैं। पुलिस थानों में पीड़ितों की सुनवाई नहीं, महिला सिपाही और सरकारी महिला अधिवक्ता तक दुष्कर्म की शिकार हुई हैं।

फैक्टरी में घुसे युवक ने लगाई फांसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» लिखा, अब घर लौटने का मन नहीं

कानपुर। दादा नगर इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित एक फैक्टरी की दीवार फांदकर अंदर घुसे 32 वर्षीय युवक ने फांसी लगा ली। उसका शव पंखे के कुंडे से रस्सी के सहारे लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पड़ताल के बाद साक्ष्य व फैक्टरी के सीसीटीवी फुटेज जुटाए।

पनकी निवासी प्रवीण चतुर्वेदी की स्टील का ड्रम बनाने की फैक्टरी है। गार्ड मोनू श्रीवास्तव ने बताया कि गुरुवार को जब वह सोकर उठा तो बरामदे में अनजान शख्स की लाश फंदे से लटकी देखी। मालिक ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने फैक्टरी के सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो रात करीब 11.30 बजे युवक गेट फांद कर दाखिल होता नजर आया। पुलिस के अनुसार मृतक की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। फुटेज में वह खुद फांसी लगाते दिखा है। फैक्टरी में पली गाय के गोबर से उसने लिखा है कि 'अब घर लौटने का मन नहीं है'।

प्रदेश सरकार ने वापस लिए कोरोना संक्रमण फैलाने के आरोप में दर्ज केस

» हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान दी जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कोरोना महामारी के दौरान कोरोना गाइडलाइन का उल्लंघन करने के आरोप में प्रदेश में दर्ज लगभग सभी मुकदमे राज्य सरकार ने वापस ले लिए हैं। राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में यह जानकारी दानिश व तीन अन्य जमातियों के मामले की सुनवाई के दौरान दी।

दानिश के मामले में सरकार ने महामारी अधिनियम के साथ हत्या के प्रयास का भी मुकदमा दर्ज किया था। इस मामले में हाईकोर्ट से स्थगन आदेश था। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि आरोपी के खिलाफ धारा 307 आईपीसी कि विवेचना वापस ले ली गई है। इस पर हाईकोर्ट ने अभियोजन एजेंसी द्वारा अभियोग नहीं चलाने की स्थिति में अभियोजन की कार्यवाही रद्द कर दी। मामले की सुनवाई जस्टिस अजय भनोट ने की। राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि कोरोना गाइडलाइन के उल्लंघन में प्रदेशभर में तीन लाख सात हजार से अधिक मुकदमे दर्ज किए गए थे। इनमें से ज्यादातर महामारी अधिनियम के तहत मामले थे। इस संदर्भ में फरवरी 2021 में केंद्र सरकार की ओर से सर्कुलर जारी किया गया था कि अदालतों पर मुकदमों का बोझ पहले से ही बहुत ज्यादा है। ज्यादातर मुकदमे तीन साल तक की सजा वाले हैं। केंद्र सरकार ने मुकदमे वापस लेने की मंशा जाहिर की थी। केंद्र सरकार की मंशा को देखते हुए राज्य सरकार ने 10 हजार से अधिक पेज का डाटा एकत्र किया। अक्टूबर 2021 में सभी जिलों से दर्ज मुकदमों का डाटा एकत्र कर मुकदमा वापसी की कार्यवाही शुरू की गई। कुछ मामलों को लेकर हाईकोर्ट में याचिका लंबित है या अन्य गंभीर धाराएं भी लगी हैं, को छोड़कर सरकार ने लगभग सभी मुकदमे वापस ले लिए हैं।

इनामी हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार, साथी फरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मैनपुरी। औंछा बाईपास मार्ग पर गुरुवार को कोतवाली पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी हिस्ट्रीशीटर भानू गिहार पैर में गोली लगने से घायल हो गया। उसका साथी पुलिस को चकमा देकर भाग गया। पकड़े गए बदमाश पर करीब 20 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं।

कोतवाली क्षेत्र के नई मंडी के सामने गिहार कालोनी निवासी भानू गिहार एक शराब माफिया है। हिस्ट्रीशीटर की गिरफ्तारी पर एसपी कमलेश दीक्षित की ओर से 25 हजार का इनाम घोषित किया गया था। गुरुवार को इंस्पेक्टर कोतवाली विक्रम सिंह को सूचना मिली कि हिस्ट्रीशीटर भानू अपने एक साथी के साथ औंछा रोड बाईपास किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रहा है। बाइक सवार बदमाशों ने खुद को घिरता देख पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में भानू गिहार पैर में गोली लगने से घायल हो गया।

सहारनपुर में स्कूल संचालक की गोली मारकर हत्या, सनसनी

» नकाबपोश बदमाशों ने दिया वारदात को अंजाम, पुलिस कर रही जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सहारनपुर। गागलहेड़ी कस्बे में घर से बाजार जा रहे स्कूल संचालक मास्टर अनिल शर्मा की बाइक सवार दो नकाबपोश युवकों ने गोली मार कर हत्या कर दी और फरार हो गए। मृतक की पत्नी ने अपनी पुत्रवधू और उसके मायके वालों पर हत्या का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है।

गागलहेड़ी कस्बे की धर्मवीर कॉलोनी में सनराइज स्कूल के संचालक मास्टर अनिल शर्मा (52) रहते थे। गुरुवार शाम अनिल शर्मा पैदल ही अपने घर से बाजार जाने के लिए निकले थे। इसी दौरान बाइक पर सवार दो युवकों ने उन्हें पीछे से पीठ में गोली मार दी और मौके से फरार हो गए। गोली लगते ही अनिल शर्मा लहूलुहान होकर नीचे गिर पड़े। घायल अवस्था में उन्हें पहले निजी फिर जिला अस्पताल ले जाया गया। जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने अनिल को मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि काफी देर से एक बाइक पर सवार नकाबपोश दो युवक गली के बार-बार चक्कर काट रहे थे। जैसे ही अनिल शर्मा घर से निकल कर बाजार की तरफ चले तो हमलावरों ने उन्हें गोली मार दी। हमलावरों ने दो फायर किए। इसके बाद वे फरार हो गए। सीओ सदर नीरज सिंह ने बताया कि हत्या के कारणों की जांच की जा रही है। अभी तहरीर नहीं आई है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज करके जल्द हत्या का खुलासा कर दिया जाएगा।

बुलडोजर का फायदा मिल रहा बीजेपी को!

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी सहित बीजेपी शासित तमाम राज्यों में सरकार लगातार अपराधियों और माफियाओं पर बुल्डोजर की कार्रवाई को अंजाम दे रही है। अकेले यूपी की बात की जाए तो योगी सरकार के कार्यकाल में अब तक 20 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति पर कार्रवाई की जा चुकी है। ऐसे में सवाल उठता हैं कि बुलडोजर अभियान से भाजपा को फायदा है या नुकसान? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार केपी मलिक, बृजेश शुक्ला, अमित मिश्रा, सैयद कासिम, डॉ विजय श्रीवास्तव, एजुकेशनिस्ट शुभ लक्ष्मी और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

अमित मिश्रा ने कहा कि हरीश साल्वे से जब कोर्ट ने प्रयागराज मामले में पूछा तो उन्होंने बताया कि इस तीनों मामले में 25 मई को नोटिस दिया गया था। ऐसे में क्या उन्हें पहले से पता था कि दंगा होगा और आरोपी के घर बुलडोजर चला देंगे। कोर्ट को इस पर विचार करना होगा। बृजेश शुक्ला ने कहा कि विकास दुबे को मारा गया, सबने देखा, उनके घर पर भी बुलडोजर चला। मुकदमे कई साल चलते रहते हैं। सबसे बड़ी बात न्यायिक व्यवस्था को ठीक करना होगा। बुलडोजर चलने से नुकसान परिवार का भी हो रहा है। सैयद कासिम ने कहा बुलडोजर चलने से बीजेपी को फायदा मिलता है। पूरी दुनिया में हमारी छवि खराब हो, इससे कोई फर्क नहीं। बुलडोजर योगी को दिल्ली पहुंचाने का साधन जरूर बन गया है जबकि बिहार से यूपी तक आगजनी, ट्रेनें जो जलाई जा रही है, तो 24 में युवा ही बीजेपी को जवाब देंगे। डॉ. विजय श्रीवास्तव ने कहा पत्थर उछालकर मसले सुलझते नहीं और उलझ जाते हैं इस दौर में... तो इंसानियत की आत्मा में भी सुराख है। यहां जो सुराख मौजूद है, उनमें एक सुराख और भी करना है। बीजेपी ने जो बुलडोजर का रास्ता अपनाया है, वह उन्हें फायदा दिला रहा है। शुभ लक्ष्मी ने कहा कॉर्पोरेट जगत में, प्रोफेशनल्स में, बुद्धिजीवी वर्ग में बुलडोजर होना एक खराब छवि है। मौजूदा समय में देश उबल रहा है। जितना उपद्रव ज्यादा होगा, उतना ही बीजेपी को फायदा मिलेगा। केपी मलिक ने भी परिचर्चा में अपने विचार रखे।

प्रशिक्षु अफसरों से मिले सीएम योगी, कहा

सख्ती से पहले संवाद का रास्ता अपनाएं अधिकारी व अफसर

» जाति, मजहब से नहीं न्याय से होना चाहिए वास्ता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधिकारियों का वास्ता जाति, मत, मजहब से नहीं, बल्कि सिर्फ न्याय के प्रति होना चाहिए। शासन के निर्देशों का अक्षरशः पालन करते हुए हर आम आदमी को न्याय दिलाने का लक्ष्य होना चाहिए। पीसीएस अधिकारी प्रशासनिक व्यवस्था की रीढ़ हैं। कानून-व्यवस्था और विकास कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। अधिकारियों को व्यवस्था के प्रति जवाबदेह होने के साथ ही गरीब, कमजोर तथा वंचित वर्ग के हितों के प्रति संवेदनशील होने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री योगी अपने सरकारी आवास पर भेंट करने आए पीसीएस 2018 तथा 2019 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि लक्ष्य तय कर आगे बढ़ेंगे तो अच्छे कॅरिअर की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। सीएम ने कहा कि प्रदेश में पहली बार 59 पीसीएस अधिकारी एक साथ राज्य की सेवा में आए हैं। सदी की सबसे बड़ी महामारी के दौरान फील्ड में कार्य करने का अनुभव भी सामने रहा होगा। जब प्रत्येक व्यक्ति स्वयं को बचाने की जद्दोजहद कर रहा था, तब हमारी प्रशासनिक मशीनरी जनमानस के मन में एक विश्वास पैदा करने का कार्य कर रही थी। कोविड काल और विधान सभा चुनाव के दौरान भी फील्ड में कार्य करने का अनुभव मिला होगा। चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न हुए और परिणाम आने के बाद भी शांति बनी रही। योगी ने अधिकारियों से कहा कि यूपी जैसे राज्य में एसडीएम व सिटी मजिस्ट्रेट के रूप में कानून-व्यवस्था को बनाए रखने में आपकी बहुत बड़ी भूमिका होगी। कानून को हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्ती बरती जा रही है। सख्ती से पहले संवाद का रास्ता अपनाया जाता है। उन्होंने लाउडस्पीकर उतरवाने या आवाज कम कराने समेत कई उदाहरण भी दिए। उन्होंने जनता के साथ सतत संवाद की नसीहत भी दी।

छोटी-छोटी बातों को न करें नजरअंदाज

सीएम ने कहा कि सभी प्रशिक्षु अधिकारी उस महत्वपूर्ण कड़ी का हिस्सा बनने जा रहे हैं जहां आमजन की समस्याओं को बहुत नजदीक से सुनने का अवसर मिलेगा। व्यक्ति तभी असफल होता है जब वह छोटी-छोटी बातों को नजरअंदाज करता है। आपके लिए छोटी चीज दूसरे के लिए बड़ी भी हो सकती है। इसलिए छोटी-छोटी बातों को न करें नजरअंदाज न करें। जनता से मिलने वाली शिकायतों में 90 फीसदी थाना और तहसील से संबंधित होती हैं, जो इसी स्तर पर सुलझाई जा सकती हैं। इसलिए तहसील और थाना दिवस पर टीम बनाकर समयसीमा तय कर काम करना होगा।

अग्निपथ योजना को वापस ले सरकार : प्रियंका गांधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» योजना पर कांग्रेस महासचिव ने उठाए सवाल

» सेना भर्ती से जुड़े संवेदनशील मसले पर सरकार गंभीर नहीं

लखनऊ। केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में घोषित की गई अग्निपथ योजना का देश के कई राज्यों में जमकर विरोध हो रहा है। हालांकि सबसे ज्यादा विरोध बिहार और यूपी में देखा जा रहा है। देशभर में हो रहे विरोध के बीच कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने अग्निपथ योजना को लेकर सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार को इसकी घोषणा के तुरंत बाद इस योजना के तहत नियमों में संशोधन करने की जरूरत है। युवाओं के विरोध से संकेत मिलता है कि इसे जल्दबाजी में थोपा गया है। इसे तत्काल वापस लेना चाहिए।

एक ट्वीट में, प्रियंका गांधी ने कहा 24 घंटे भी नहीं बीते थे कि भाजपा सरकार को नई सेना भर्ती योजना के नियमों को बदलना पड़ा। इसका मतलब यह है कि योजना जल्दबाजी में युवाओं पर थोपी जा रही है। प्रियंका गांधी ने आगे कहा नरेंद्र मोदी इस योजना को तुरंत वापस लें। नियुक्तियां दें और वायु सेना में रुकी हुई भर्ती का परिणाम सामने रखें। उन्होंने मांग की कि सेना में भर्ती (आयु में छूट के साथ) पहले की तरह हो। प्रियंका गांधी ने कहा कि भाजपा सरकार सेना भर्ती को अपनी प्रयोगशाला क्यों बना रही है? सैनिकों की लंबी नौकरी सरकार को क्यों बोझ लग रही है? युवा कह रहे हैं कि ये 4 साल नियम छलावा है। हमारे पूर्व सैनिक भी इससे असहमत हैं। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि सेना भर्ती से जुड़े संवेदनशील मसले पर सरकार न कोई गंभीर सोच-विचार और न ही कोई चर्चा कर रही है। बस मनमानी कर रही है। बता दें कि रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार (14 जून) को अग्निपथ योजना की घोषणा की। अग्निपथ स्कीम के तहत देश के युवाओं को सेना में भर्ती होने का मौका मिलेगा। इस योजना के तहत चुने गए युवाओं को अग्निवीर कहा जाएगा।

फोटो: 4पीएम

फूल से स्वागत राजधानी लखनऊ में टीले वाली मस्जिद पर नमाज अता करने पहुंचे लोगों को पुलिस प्रशासन ने गुलाब का फूल देकर स्वागत किया। पुलिस प्रशासन का कहना कि फूल के जरिए अमन और शांति का पैगाम दे रहे हैं ताकि शहर में भाईचारा कायम रहें।

नुपुर शर्मा की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» हिरासत में लेने दिल्ली पहुंची मुंबई पुलिस

नई दिल्ली। पैगंबर मोहम्मद पर तथाकथित विवादित टिप्पणी के मामले में नूपुर शर्मा की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। नुपुर शर्मा को मुंबई पुलिस हिरासत में लेने के लिए दिल्ली पहुंच चुकी है। महाराष्ट्र के गृहमंत्री दिलीप पाटिल ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस मामले में दिल्ली पुलिस, मुंबई पुलिस को मदद करेगी।

उन्होंने कहा कि राज्य की पुलिस टीम दिल्ली में मौजूद है और वो नूपुर शर्मा को हिरासत में ले सकती है। जानकारी के अनुसार, मुंबई की पिधोनी पुलिस की टीम दिल्ली पहुंची है। नूपुर शर्मा को 25 जून को सुबह 11 बजे अपना बयान दर्ज कराने के लिए पिधोनी थाने भी बुलाया गया है। मुंबई पुलिस ने रजा अकादमी की शिकायत के आधार पर निलंबित भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा के खिलाफ मामला दर्ज किया है। बता दें कि नूपुर शर्मा को मुंबई पुलिस ने भी समन भेजा था। पुलिस ने उन्हें 22 जून को पेश होने के लिए कहा है। मुंबई में मोहम्मद गुफरान खान नाम के टीचर ने नूपुर के खिलाफ केस दर्ज कराया था।

राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत के भाई के घर सीबीआई का छापा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» अग्रसेन के जोधपुर स्थित घर की तलाशी ली

नई दिल्ली। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के भाई अग्रसेन गहलोत के आवास पर सीबीआई ने छापेमारी की। सीबीआई ने अग्रसेन के जोधपुर स्थित घर की तलाशी ली। बताया जा रहा है कि ये छापेमारी उर्वरक निर्यात में कथित अनियमितताओं को लेकर की गई। वहीं सीबीआई कार्रवाई को लेकर कांग्रेस ने हमला बोला है।

कांग्रेस प्रवक्ता जयराम रमेश ने इसे बदले की राजनीति बताया है। जयराम रमेश ने सीबीआई की छापेमारी के बाद एक ट्वीट किया। उन्होंने कहा यह हर सीमा से परे प्रतिशोध की राजनीति है। अशोक गहलोत पिछले तीन दिनों में दिल्ली में विरोध प्रदर्शनों में सबसे आगे थे। यह मोदी सरकार की बेशर्म प्रतिक्रिया है। हम चुप नहीं रहेंगे। गौरतलब है कि नेशनल हेराल्ड केस में ईडी कांग्रेस नेता राहुल गांधी से पूछताछ कर रही है। सोमवार से लेकर बुधवार तक लगातार तीन दिन राहुल गांधी से पूछताछ की गई। राहुल से पूछताछ के विरोध में कांग्रेस के तमाम नेता दिल्ली की सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे थे। कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भी दिल्ली में डेरा जमाए हुए हैं। इनमें अशोक गहलोत भी शामिल हैं।

गहतोड़ी बने वन विकास निगम के चेयरमैन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के लिए अपनी सीट छोड़ने वाले चंपावत भाजपा विधायक कैलाश गहतोड़ी को बड़ा इनाम मिला है। उन्हें राज्य के सबसे अहम निगमों में शामिल वन विकास निगम का चेयरमैन बनाया गया है। उत्तराखंड सरकार ने गहतोड़ी को मंत्री का दर्जा दिया है। उत्तराखंड के सचिव नितेष कुमार झा ने चंपावत के पूर्व विधायक कैलाश गहतोड़ी की नियुक्ति के आदेश जारी कर दिए हैं। वहीं गहतोड़ी ने भी फुर्ती दिखाते हुए अपना कार्यभार संभाल लिया है। बता दें कि उत्तराखंड विधानसभा चुनाव के दौरान पुष्कर सिंह धामी के खटीमा से चुनाव हारने के बावजूद भाजपा हाईकमान ने उनको सीएम के रूप में फिर से मौका देने का फैसला लिया था। सीएम बनने के बाद धामी को छह महीने के भीतर विधानसभा का सदस्य बनना जरूरी था। इस बीच कई विधायक उनके लिए सीट छोड़ने के लिए तैयार थे, लेकिन उन्होंने कैलाश गहतोड़ी की भावनाओं का सम्मान करते हुए चंपावत को ही चुना था। राज्य की राजनीति में कैलाश गहतोड़ी तीसरे विधायक हैं जिन्हें सीएम के लिए सीट छोड़ने पर वन विकास निगम चेयरमैन बनाया गया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।